भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 81
दिनांक 08 फरवरी, 2024

ओएनजीसी द्वारा गैस की खोज

***81. श्रीमती प्रतिमा मण्डल :**
प्रो.सौगत राय:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ओएनजीसी ने बंगाल की खाड़ी में गैस की नई खोज की थी;

(ख) यदि हां, तो गैस की ऐसी नई खोजों से होने वाले उत्पादन की अनुमानित मात्रा का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त नई खोजों से उत्पादन करने की अनुमानित समय-सीमा क्या है;

(घ) घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों के अनुमानित उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या नई खोजों से देश को पेट्रोलियम उत्पादों के आयात को रोकने/कम करने में सहायता मिलने की संभावना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

'ओएनजीसी द्वारा गैस की खोज' के बारे में संसद सदस्य श्रीमती प्रतिमा मण्डल एवं प्रो. सौगत राय द्वारा दिनांक 08.02.2024 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 81 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) ओएनजीसी द्वारा हाल ही में बंगाल की खाड़ी में महानदी अपतट (गहरा समुद्र) में दो नई हाइड्रोकार्बन खोजों की घोषणा की गई है। इस ब्लॉक का 94 प्रतिशत क्षेत्र पहले 'नो-गो' प्रतिबंधों के तहत कवर था। सरकार द्वारा हाल ही में इन प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया था। इन खोजों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

क्रम सं.	ब्लॉक	खोज		गहराई	खोज का प्रकार
1	एमएन-डीडब्ल्यूएचपी-2018/1	नाम	कब घोषित की गई		गैस खोज
2		एमडीडब्ल्यू-27/ उत्कल	03.01.2024	714 मीटर समुद्री गहराई में 2833 मीटर	
		एमडीडब्ल्यू-26/कोणार्क	15.01.2024	1109 मीटर समुद्री गहराई में 3855 मीटर	

(ख) से (घ) ये खोजें बेसिन में प्रोत्साहित करने वाली संभावना के प्रारंभिक संकेत दर्शा रही हैं। आम तौर पर किसी भी हाइड्रोकार्बन की खोज से अनुमानत: उत्पादन कब शुरू किया जाएगा और उत्पादन की मात्रा कितनी होगी इसका निर्धारण मूल्यांकन कार्यक्रम पूरा होने के बाद ही किया जा सकता है जिसे सतह के नीचे गैस रिजर्वायर के आकार, आकृति और विशेषताओं का अनुमान लगाने के लिए तैयार किया गया है। एक बार जब हाइड्रोकार्बन निकाले जाने की तकनीकी व्यवहार्यता सिद्ध हो जाती है तो उसके बाद क्षेत्र का विकास करने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए आर्थिक और वाणिज्यिक आकलन किए जाते हैं। इन मूल्यांकन संबंधी कार्यकलापों को पूरा करने में कई महीने लग जाते हैं। इन आकलनों के बाद क्षेत्र विकास योजना तैयार की जाती है तथा हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय द्वारा अनुमोदित की जाती है। तत्पश्चात क्षेत्र संबंधी कार्यकलाप किए जाते हैं। इन नई खोजों नामत: 'कोणार्क' और 'उत्कल' के लिए यह प्रक्रिया पूरी की जानी है जिसके बाद उत्पादन शुरू किए जाने का निश्चित कार्यक्रम निर्धारित किया जा सकता है।

(ड.) से (च) किसी भी तेल और गैस खोज से और बाद में वाणिज्यिक उत्पादन से घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में कमी करने में योगदान मिलेगा। कृष्णा गोदावरी बेसिन में केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2, जिसे पूर्व में खोजा गया था, से इस वर्ष वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है और प्रारंभिक उत्पादन ~ 11000 बैरल तेल प्रतिदिन (बीओपीडी) तथा 0.5 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर प्रतिदिन (एमएमएससीएमडी) संबद्ध गैस है जिसके प्रति दिन ~ 45000 बीओपीडी तथा 10 एमएमएससीएमडी संबद्ध गैस के अधिकतम उत्पादन तक पहुंचने की उम्मीद है। इससे राष्ट्रीय तेल और गैस के उत्पादन में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यदि उम्मीदों से भरी ये दो नई खोजें मूल्यांकन कार्यक्रम पूरा होने के बाद तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य भी पाई जाती हैं तो इनसे घरेलू गैस उत्पादन में वृद्धि होगी।

***